न्यूज डायरी

भारतीय पत्रकार अपनी मौत के लिए खुद जिम्मेदार, नहीं मांगेंगे माफी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की निर्मम हत्या करने वाले तालिबान ने कहा है कि वह पुलित्जर पुरस्कार विजेता की मौत के लिए माफी नहीं मांगेगा। तालिबान ने कहा है कि दानिश की मौत किसकी गोली से हुई है, इसका पता नहीं चल पाया है। तालिबान ने दावा किया कि दानिश के शव के साथ कोई बेहुरमती नहीं की गई थी। उसने कहा कि दानिश ने युद्धग्रस्त इलाके में आने से पहले हमसे इजाजत भी नहीं ली थी। तालिबान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि उन्हें नहीं पता चला है कि दानिश किसकी गोली से मारे गए। जबीउल्ल्लाह ने कहा कि दानिश ने युद्धक्षेत्र में आने से पहले हमसे कोई इजाजत नहीं ली थी। वह दुश्मन के टैंक में सवार थे और अपनी मौत के लिए खुद जिम्मेदार हैं। तालिबान प्रवक्ता ने दावा किया दानिश के शव के साथ कोई बेहुरमती नहीं की गई है। जबीउल्लाह ने कहा कि दानिश के शव को जलाया नहीं गया था।

बलूचिस्तान में कश्मीरी शरणार्थियों ने पीओके चुनाव में कम दिलचस्पी दिखाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बलूचिस्तान। बलूचिस्तान में रहने वाले करोड़ों कश्मीरी शरणार्थियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में बहुत कम दिलचस्पी दिखाई और कई मतदान केंद्रों पर एक भी मतदाता नहीं आया। डॉन द्वारा यह रिपोर्ट किया गया। पीओके विधानसभा चुनाव में रविवार को इमरान खान की पीटीआई 25 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। जिन 45 विधानसभा सीटों में चुनाव हुआ उनमें 33 पीओके निवासियों के लिए और 12 पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बसे शरणार्थियों के लिए रहीं। स्थानीय मीडिया ने कहा कि सात जिलों में मतदान केंद्र बनाए गए थे, लेकिन कश्मीरी मतदाता केवल क्वेटा और सिबी में ही पहुंचे। संबंधित अधिकारियों ने पाकिस्तानी दैनिक को सूचित किया कि नसीराबाद, केच, मस्तुंग, बरखान और किला सैफुल्ला के मतदान केंद्रों पर एक भी मतदाता नहीं आया। हालांकि मतदानकर्मी अंत तक मतदान केंद्रों पर डटे रहे।

आकाश से धरती पर गिरा आग का गोला, एक झटके में बना देगा करोड़पति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओस्लो। दक्षिणी नार्वे में एक विशाल उल्कापिंड आग के गोले की तरह से जलते हुए धरती पर गिरा है। बताया जा रहा है कि अगर इस उल्कापिंड को पाने में लोग सफल होते हैं तो यह उन्हें 5 करोड़ रुपये दिलवा सकता है। उल्कापिंड की तलाश नार्वे में जोर–शोर से जारी है। इस असामान्य विशाल उल्कापिंड के गिरने से नार्वे का आकाश जगमगा उठा और तेज आवाज भी सुनाई दी। बताया जा रहा कि उल्कापिंड के टुकड़े आकाश में बिखर गए थे। नार्वे की राजधानी ओस्लो के विशेषज्ञों का कहना है कि उल्कापिंड का एक टुकड़ा शहर से ज्यादा दूर नहीं गिरा है। अलसुबह उल्कापात से किसी के घायल होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी भीषण आग से 10,000 से अधिक घरों को है खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैन फ्रांसिस्को। कैलिफोर्निया के जंगलों में भीषण आग लगी है। अब तक 197,487 एकड़ क्षेत्र में फैले वन और पेड़ों की लकड़ी को आग ने जला कर राख कर दिया है। जंगल की आग में 22 फीसद नियंत्रण पा लिया गया है, इसके बाद भी 10,000 से अधिक घरों को खतरा बना हुआ है। मंगलवार को डिक्सी फायर जो वर्तमान में कैलिफोर्निया में सबसे बड़ी आग की घटना है। छोटी फ्लाई फायर के साथ मिलने के बाद यह आग और बढ़ती जा रही है। आग ने कम से कम 16 घरों और अन्य इमारतों को भी नष्ट कर दिया। कैलिफोर्निया के इतिहास में यह 15 वीं सबसे बड़ी जंगल की आग है। इस साल राज्य में यह दूसरी बार आग लगी है। 22 जुलाई को जब यह 100,000 एकड़ से अधिक भाग में आग लगी थी, तब इसे मेगाफायर का दर्जा दिया गया था। तब से यह पांच दिनों में आग लगभग दोगुना हो गई है। प्लुमास नेशनल फॉरेस्ट में बेकवर्थ कॉम्प्लेक्स की आग ने इस महीने की शुरुआत में पदनाम प्राप्त किया।

तालिबान के इलाके में ठिकाना बना रहा लश्कर

चेतावनी

अफगान सरकार ने भारत को लश्कर पर दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान सरकार ने भारत को चेताया है कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा अपना ठिकाना पाकिस्तान से हटाकर अफगानिस्तान में बना रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है जब तालिबान ने अफगानिस्तान के आधे से ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। अब यह डर सताने लगा है कि कहीं अफगानिस्तान के उन इलाकों में आतंकी पैर जमा सकते हैं जहां पर सरकार का शासन नहीं है।

डीएनए की रिपोर्ट के मुताबिक अफगान अधिकारियों ने भारत को इस बारे में सूचना दी है। इसमें खासतौर पर लश्कर और जैश–ए–मोहम्मद के बारे में जिक्र किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान सभी अंतरराष्ट्रीय आतंकियों के गुटों को उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान से अपनी सरजमीं से हटाना चाहता है और उन्हें अफगानिस्तान भेजना

चाहता है। पाकिस्तान की कोशिश है कि ऐसा करके वह एफएटीएफ के ग्रे लिस्ट से निकल जाए।

तालिबान के आतंकी संगठनों लश्कर, जैश के साथ गहरे संबंध: इसी महीने ही अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने खुलेआम पाकिस्तान की आलोचना की थी और कहा था कि पिछले महीने ही 10 हजार जिहादी पाकिस्तान से अफगानिस्तान में प्रवेश किए हैं। उन्होंने यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के सामने उज्बेकिस्तान में दिया था। यही नहीं एक अन्य बयान में गनी ने कहा कि तालिबान के आतंकी संगठनों लश्कर, जैश और अलकायदा के साथ गहरे संबंध हैं।

गनी ने कहा कि तालिबान अफगानिस्तान को आतंकियों के लिए स्वर्ग बनाना चाह रहा है। उन्होंने कहा कि अफगान सरकार इसे होने नहीं देगी। गनी ने वादा किया कि वह अफगान स्पेशल अभियान बल को हर जरूरी सहायता मुहैया कराते रहेंगे। अब यह भी खुलासा हुआ है कि अफगानिस्तान में मारे गए कई आतंकियों के पास से पाकिस्तानी आईडी कार्ड मिले हैं। यही नहीं तालिबानी आतंकियों का पाकिस्तान के अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

तालिबान ने सरकार की 260 इमारतों को नष्ट कर दिया: अफगान राष्ट्रपति ने पिछले दिनों यह भी कहा था कि तालिबान की शांति की कोई इच्छा नहीं है। सरकार अब आगे चलकर तालिबान की इसी इच्छा के मुताबिक फैसला करेगी। उन्होंने कहा था, तालिबान ने कई चीजों को साबित कर दिया है। तालिबान के अंदर शांति की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि तालिबान ने सरकार की 260 इमारतों को नष्ट कर दिया है। अगर वे अफगान हैं तो उन्हें जनता के घरों को नष्ट करने से परहेज करना चाहिए। घनी ने कहा कि हमने 5 हजार तालिबान कैदियों को रिहा किया लेकिन वे अब भी शांति नहीं चाहते हैं।

पैंगोंग झील से चंद कदम की दूरी पर है चीनी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। पूर्वी लद्दाख में भारतीय सीमा के पास लगातार मिसाइलें और घातक हथियार तैनात कर रहे चीन ने पैंगोंग झील से सटकर अपनी सेना को तैनात कर रखा हुआ है। करीब छह महीने पहले भारत और चीन के बीच पैंगोंग झील के इलाके से सेना को पीछे हटाने और गश्त नहीं लगाने पर सहमति बनी थी। इसके बाद चीन ने अपनी सेना को पैंगोंग झील के फिंगर 4 से हटाकर फिंगर 8 के ठीक पीछे तैनात कर दिया है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों में पता चला है कि विवाद वाले बिंदु के ठीक पास चीनी सैनिक मौजूद हैं।

ओपन इंटेलिजेंस सोर्स detresf की रिपोर्ट के मुताबिक पैंगोंग झील से सटकर मौजूद चीनी सेना पीएलए के ठिकाने पर बड़ी संख्या में चीनी सैनिक मौजूद हैं। यह पीएलए का ठिकाना गश्त नहीं लगाने के लिए हुए समझौता स्थल से मात्र कुछ ही दूरी पर स्थित है। इन तस्वीरों से यह भी पता चलता है कि चीन और भारत के बीच सीमा विवाद अभी बना हुआ है। चीन ने अपने इस अड्डे पर रक्षात्मक खाई, ईंधन टैंक, सैनिकों के रहने के स्थान आदि बना रखे हैं।

इस बीच चीन जहां लद्दाख में जारी सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बैठकों से आनाकानी कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन और इराकी पीएम काजिमी में समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल काजिमी के बीच इराक में 18 साल बाद अमेरिकी सेना के लड़ाकू मिशन को खत्म करने पर समझौता हो गया है। दोनों नेताओं ने औपचारिक रूप से एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसके मुताबिक वर्ष 2021 के अंत तक इराक में लड़ाकू मिशन खत्म हो जाएगा। इससे पहले अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने 18 साल पहले सद्दाम हुसैन के शासन को उखाड़ फेकने के लिए इराक में सेना भेजी थी।

भारत के लिए एक खतरा है चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का तिब्बत दौरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के प्रभावशाली सांसद डेविड नुनेस ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का पिछले सप्ताह तिब्बत के दौरे पर जाना भारत के लिए एक खतरा है। शी जिनपिंग ने अरुणाचल प्रदेश के निकट स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तिब्बती सीमावर्ती शहर न्यिंगची का गत बुधवार को दौरा किया था। चीनी राष्ट्रपति ने वहां शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की थी और तिब्बत में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की थी। रिपब्लिकन सांसद डेविड नुनेस ने 'फॉक्स न्यूज़' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'चीनी

अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है न्यिंगची

तानाशाह शी जिनपिंग ने पिछले सप्ताह भारत की सीमा के पास तिब्बत का दौरा करके अपनी जीत का दावा किया। मुझे लगता है कि पिछले 30 साल में यह पहली बार है, जब चीनी तानाशाह तिब्बत गए हों। यह एक अरब से अधिक की आबादी वाले और परमाणु शक्ति से सम्पन्न भारत के लिए एक खतरे की बात है। भारत के लिए यह खतरे की बात है कि वह एक बड़ी जल परियोजना विकसित करने वाले हैं, जिससे भारत की जल आपूर्ति बाधित हो सकती है।'

न्यिंगची की यात्रा के दौरान शी ब्रह्मपुत्र नदी घाटी में पारिस्थितिक संरक्षण का निरीक्षण करने के लिए 'न्यांग रिवर ब्रिज' गए थे, जिसे तिब्बती भाषा में 'यारलुंग जंगबो' कहा जाता है। न्यिंगची, तिब्बत में एक प्रांत स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। चीन, अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है, जिस दावे को भारत ने हमेशा दृढ़ता से खारिज किया है। भारत–चीन के बीच 3,488 किलोमीटर की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सीमा विवाद है।

सांसद ने कहा, 'वास्तविकता यह है कि चीन आगे बढ़ रहा है और (अमेरिका के राष्ट्रपति जो) बाइडन का प्रशासन उसे हर वह चीज करने दे रहा है, जो वह चाहता है।'

पाक राष्ट्रपति आरिफ अल्वी की चेतावनी– गंभीर हो जाएं लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने देशवासियों से गंभीर होने और कोविड–19 पाबंदियों का पालन करने की अपील की। पाकिस्तान फिलहाल महामारी की चौथी लहर से जूझ रहा है और बीते 24 घंटे में देश में संक्रमण के 3,752 नए मामले सामने आए हैं। बीते दो महीने से भी अधिक समय बाद एक दिन में सबसे अधिक लोग संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि बीती रात 32 और लोगों की मौत की खबर मिलने के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 23,048 हो गई। देश में उपचाराधीन रोगियों की संख्या 1,008,446 है। नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर के अनुसार, 21 मई के बाद एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक 3,752 नए मामले सामने आए हैं। उस दिन 4,007 सामने आए थे। देश में संक्रमण दर भी 19 मई के बाद सबसे अधिक है। उस दिन यह 8.23 प्रतिशत थी। राष्ट्रपति अल्वी ने स्थिति को खतरनाक बताते हुए, लोगों से कोविड के दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया।